

Padma Bhushan



SHRI DEVENDRA JHAJHARIA

Shri Devendra Jhajharia is an Indian Para-Javelin thrower and the first Indian Para-athlete to win two gold medals at Paralympics.

2. Born on 10th June, 1991 in Jaipuria Khalsa (Churu district) of Rajasthan, Shri Devendra lost his left hand at the age of 8 years due to an unfortunate accident. This incident shattered him mentally and physically but, he decided to change the future course of his life. He took up sport as a challenge and decided to make the mark in Javelin.

3. Shri Devendra participated in the national championship at Bangalore in 2001 and won the first gold medal in javelin. In 2002, he won the first international gold medal in Fespac games held in South Korea. He has won two Gold Medals in Paralympics and a Silver Medal in Tokyo 2020, making him the first ever para-athlete to bring two Gold and a silver for the country.

4. Shri Devendra won Javelin Throw Gold Medal, Triple Jump Gold Medal and Shot Put Gold Medal in the British Open Athletics Championship, 2003. His major achievements include Athens Paralympic Game 2004 Javelin Throw Gold Medal; 9th Fespac Games Kuala Lumpur 2006, Javelin Throw (Gold); IWAS World Games Taipei Taiwan, 2007 Javelin Throw (Silver); IWAS World Games Bangalore 2009 Javelin Throw (Gold) and Discus Throw Silver Medal; IPC Athletics World Championship Lyon France 2013 Javelin Throw (Gold); Para Asian Games Incheon Korea, 2014 Javelin Throw (Silver); IPC Athletics World Championship DOHA, 2015 Javelin Throw (Silver) and Paralympic Rio de Janeiro 2016 Javelin Throw (Gold).

5. Shri Devendra has been honoured with several National Awards like Special Commendation Award By the Hon'ble President of India, Arjuna Award; PCI Outstanding Sports Person Award 2005; Para Sports Person of the year award 2014 by FICCI; G Q Magazine Best Player of the year award 2016; Major Dhyan Chand Khel Ratna Award; Maharana Pratap State Sports Award 2004 and Arawali Award from Maharana Mewar Foundation 2009.

पद्म भूषण



श्री देवेन्द्र झाझड़िया

श्री देवेन्द्र झाझड़िया एक भारतीय पैरा-भाला फेंक खिलाड़ी और पैरालंपिक में दो स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय पैरा-एथलीट हैं।

- 10 जून, 1991 को राजस्थान के जयपुरिया खालसा (जिला चुरू) में जन्में, श्री देवेन्द्र ने 8 साल की उम्र में एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में अपना बायां हाथ खो दिया। इस घटना ने उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से तोड़ दिया लेकिन, उन्होंने अपने जीवन की भावी दिशा को बदलने का निर्णय किया। उन्होंने खेल को एक चुनौती के रूप में लिया और भाला फेंकने में अपनी पहचान बनाने का फैसला किया।
- श्री देवेन्द्र ने 2001 में बंगलौर में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लिया और भाला फेंक में पहला स्वर्ण पदक जीता। 2002 में उन्होंने दक्षिण कोरिया में आयोजित फेस्पिक खेलों में पहला अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने पैरालंपिक में दो स्वर्ण पदक और टोक्यो 2020 में एक रजत पदक जीता है, जिससे वे देश के लिए दो स्वर्ण और एक रजत लाने वाले पहले पैरा-एथलीट बन गए हैं।
- श्री देवेन्द्र ने ब्रिटिश ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2003 में भाला फेंक में स्वर्ण पदक, ट्रिपल जंप में स्वर्ण पदक और गोला फेंक में स्वर्ण पदक जीता। उनकी प्रमुख उपलब्धियों में एथेंस पैरालंपिक गेम 2004 में भाला फेंक में स्वर्ण पदक; 9वें फेस्पिक गेम्स कुआलालंपुर 2006 भाला फेंक (स्वर्ण); आईडब्ल्यूएस वर्ल्ड गेम्स ताइपे ताइवान 2007 में भाला फेंक (रजत); आईडब्ल्यूएस वर्ल्ड गेम्स बंगलौर 2009 में भाला फेंक (स्वर्ण) और डिस्कस थ्रो में रजत पदक; आईपीसी एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप ल्योन फ्रांस 2013 में भाला फेंक (स्वर्ण); पैरा एशियाई खेल इंचोन कोरिया 2014 में भाला फेंक (रजत); आईपीसी एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप दोहा 2015 भाला फेंक (रजत) और पैरालंपिक रियो डी जनेरियो 2016 भाला फेंक (स्वर्ण) शामिल हैं।
- श्री देवेन्द्र को कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जैसे भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा विशेष प्रशस्ति पुरस्कार; अर्जुन पुरस्कार; पीसीआई आउटस्टैंडिंग स्पोर्ट्स पर्सन अवार्ड 2005; फिक्की द्वारा पैरा स्पोर्ट्स पर्सन ऑफ द ईयर अवार्ड 2014; 2016 का जी क्यू मैगजीन बेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड; मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार; महाराणा प्रताप राज्य खेल पुरस्कार 2004 और महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन 2009 का अरावली पुरस्कार।